गृहिणी
स्वयं सेवी संस्था

GRIHINI गृहिणी

REGD.No. 4133

वार्षिक रिपोर्ट

2019

पता–प्रोजेक्ट कालोनी व पोस्ट हिरमी, विकासखण्ड–सिमगा, जिला–बलौदाबाजार,भाटापारा (छ.ग.)

संस्था का परिचय

❖ संस्था का नाम	–	गृहिणी स्वयं सेवी संस्था
❖ स्थापना वर्ष	–	1996
❖ पंजीयन क्रमांक	–	4133
❖ एफ. सी. आर. क्रमांक	–	327520044
❖ मान्यता प्राप्त	–	12 ए.
❖ फोन नम्बर	–	07726–281749
❖ ई–मेल	–	grihini.ngo4133@gmail.com
❖ वेबसाइट	–	www.grihiningo.org
❖ एन.जी.ओ. दर्पण	–	रजि. क्र. CG/2017/0162491
❖ पता	–	गृहिणी स्वयं सेवी संस्था अल्ट्राटेक प्रोजक्ट कालोनी ग्राम व पोस्ट –हिरमी, वि.ख.–सिमगा जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) पिन कोड–493195

वार्षिक रिपोर्ट

गृहिणी स्वयं सेवी संस्था की वार्षिक बैठक दिनॉक ..... को जारी सूचना के आधार पर दिनॉक ..... को गृहिणी कार्यलय में रखा गया। संस्था अध्यक्ष श्रीमती रूपा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बैठक में उपस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यो के समक्ष वर्ष 2019 का वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया। संस्था के वार्षिक रिपोर्ट के कार्य वृतान्त को कार्यकारिणी के समक्ष तैयार करने हेतु डाटा एंट्री ऑपरेटर पुष्पेन्द्र कुमार को जिम्मेदारी दिया गया थां।

गतिविधियॉ–

गृहिणी संस्था में आय अर्जक प्रशिक्षण एवं उत्पादन केन्द्र में हो रहे गतिविधियों को बढ़ाने एवं अधिक से अधिक दिव्यांगो को रोजगार से जोड़ने हेतु बनाने की आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की गई।

❖ समूह आधारित आय अर्जक प्रशिक्षण कार्यक्रम

उद्देश्यः– शासकीय एवं गैर शासकीय संस्था के माध्यम से दिव्यांग समूह सशक्तिकरण हेतु आवासीय एवं गैर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर दिव्यांगो को रोजगार से जोड़ना।

क्रमॉक	गतिविधि	कार्यक्रम संख्या	प्रतिभागी संख्या
1	शैक्षणिक भ्रमण (फिनाइल,वाशिंग पावडर)	02	47
2	वैल्यु एडीकशन स्पलाई चैन मैनेजमेंट फिनाइल एवं डिटर्जेट पावडर प्रशिक्षण	01	25

❖परियोजना अंतर्गत कार्यक्रम 2019

सामाजिक समावेशी परियोजनाः–

परियोजना का उद्देश्यः– दिव्यांगजनों की क्षमता में वृद्धि कर उन्हे स्व वकालत हेतु तैयार करना एवं विकास कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ाना साथ ही दिव्यांजनो के सामाजिक समावेशी हेतु शासकीय तंत्र और अन्य भागीदारों का सुदृढ़ीकरण करना है।

कार्यक्रम का नाम– राज्य स्तरीय संघ बैठक

प्रतिभागी संख्या– 14 महिला 22 पुरूष कुल 36

कार्यक्रम दिनॉक– 21 मई 2019

कार्यक्रम स्थान– इंदिरा गॉधी विश्वविद्यालय जोरा रायपुर

कार्यक्रम विवरण– इंदिरा गॉधी विश्वविद्यालय जोरा में रायपुर में गृहिणी और समर्थ के सहयोग से एक दिवसीय की राज्य स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में बालोदबाजार, महासमुंद, रायपुर के 22 पुरुष. 14 महिला कुल 36 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें बलौदाबाजार से 1 महिला 6 पुरूष कुल 7 भाग लिया। प्रतिभागियों की शुरूआत के साथ सत्र शुरू होता है। बैठक को श्री गौरव जैन परियोजना अधिकारी और राज्य डीपीओ समन्वयक श्रीमती रिम्पा वर्मा द्वारा किया गया। राज्य डीपीओ समन्वयक ने बैठक के उद्देश्य को साझा किया तब डीपीओ से पूछा गया कि राशन और पेंशन प्राप्त करने में दिव्यांग व्यक्ति को क्या आम समस्या है। एक.एक करके अलग.अलग जिले के डीपीओ अपने.अपने जिले और ब्लॉक में राशन और पेंशन की स्थिति बताते हैं। कुछ लोगों ने कहा कि उन्हें नियमित रूप से पेंशन नहीं मिल रही हैए उन्हें 2.3 महीने के अंतराल में पेंशन मिल रही है और डीपीओ ने यह भी उल्लेख किया है कि कभी. कभी पेंशन उनके द्वारा अपने संबंधित बैंक खाते में नहीं दी जाती है वे यह भी उजागर करते हैं कि एपीएल से संबंधित दिव्यांगको हरा कार्ड नहीं मिल रहा है राशन कार्ड पर सुझाव देते हैं कि दिव्यांगजो एपीएल से संबंधित है, उन्हें अपना नाम हरे राशन कार्ड में जोड़ना होगा और बीपीएल लाभार्थी को हरे राशन कार्ड में प्राप्त कर सकते हैं। इस परियोजना अधिकारी ने कहा कि समस्या को दूर करने के लिए डीपीओ को पेंशन और राशन के संबंध में डेटा एकत्र करने की आवश्यकता होगी ताकि वे राज्य जिला और ब्लॉक स्तर पर साक्ष्य आधारित वकालत संबंधित सरकारी विभाग को कर सकें ताकि दिव्यांग लाभार्थी के साथ सभी व्यक्ति पा सकें।

अगले सत्र में परियोजना अधिकारी सर्वेक्षण प्रारूप पर ध्यान केंद्रित करते हैं और बताते हैं कि वे राशन और पेंशन के बारे में लाभार्थी का डेटा कैसे एकत्र कर सकते हैं, फिर एक.एक करके वह सभी प्रश्न को समझाते है ताकि डीपीओ को अच्छी तरह से समझने में मदद मिले।

फिर प्रशिक्षक के द्वारा प्रश्न और प्रश्नकर्ता की व्याख्या करते हैं जिसे प्रत्येक सर्वेक्षणकर्ता को लाभार्थी से क्षेत्र में जानकारी एकत्र करते समय पालन करना चाहिए। अंतिम समूह डेमो सत्र में आयोजित किया गया था जिसमें डीपीओ को सिखाया गया था कि सर्वेक्षण करते समय जानकारी एकत्र करने के लिए कैसे सवाल पूछा जाए।

कार्यक्रम के अंत में 20 जून से पहले सर्वे पूरा करने के लिए सभी डीपीओ को समयरेखा दी गई थी।

फोटो :– राज्य स्तरीय दिव्यांग संघ बैठक, इंदिरा गॉधी विश्वविद्यालय जोरा रायपुर

कार्यक्रम का नाम– विश्व पर्यावरण दिवस

प्रतिभागी संख्या– 7 महिला 8 पुरूष कुल 15

कार्यक्रम दिनॉक– 05 जून 2019

कार्यक्रम स्थान– जनपद कार्यालय बलौदाबाजार

कार्यक्रम विवरण–5 जून 2019 को विश्व पर्यावरण दिवस बलौदाबाजार जिला और ब्लॉक स्तर के डीपीओ जन मानव विकास कल्याण ने मनाया। डीपीओ सदस्य ने पर्यावरण और जागरूक समुदाय के सदस्यों को अपने आसपास के अधिक से अधिक वृक्षों की रक्षा के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए बचाने की पहल की।

लोगों को जागरूक करने के लिए डीपीओ ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस दुनिया भर के 100 से अधिक देशों में हर साल 5 जून को मनाया जाता है। पर्यावरणीय पहलू जैसे कि प्रदूषण, मानव आबादी, वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग और कई अन्य कारक जो प्रकृति पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। हर साल विश्व पर्यावरण दिवस अलग–अलग थीम पर मनाया जाता है इस वर्ष 45 वें विश्व पर्यावरण दिवस का विषय बीट एयर पॉल्यूशन है। यह 'ताजा हवा' के लिए वैश्विक संकट से निपटने के लिए कार्रवाई का आह्वान है।

"अक्सर आप इसे देख भी नहीं सकते, लेकिन वायु प्रदूषण हर जगह है। हम सांस रोक नहीं सकते हैं, लेकिन हम अपनी हवा की गुणवत्ता के बारे में कुछ कर सकते हैं, "डीपीओ सदस्यों ने कहा।

जनपद पंचायत बलौदाबाजार में डीपीओ द्वारा किए गए पेड़ के अंतिम रोपण के बाद उनके परिवेश में अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण बचाने का शपथ लिया गया।

फोटो :– विश्व पर्यावरण दिवस बलौदाबाजार

कार्यक्रम का नाम– आजिविका से जुड़े दिव्यांग समूह का शैक्षणिक भ्रमण

प्रतिभागी संख्या– 16 महिला 9 पुरूष कुल 26

कार्यक्रम दिनॉक– 06 जून 2019

कार्यक्रम स्थान– योगभवन बलौदाबाजार

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से दिव्यांगों की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक और पहल करते हुए दिनॉक 06 जून 2019 को बलौदाबाजार जिले के 9 दिव्यांग समूह शक्ती दिव्यांग सबल समूह डोटोपार, सत्यम गृहिणी दिव्यांग समूह पुरैना खपरी, कमलदीप स्व सहायता समूह कोसमंदी, जागृति दिव्यांग स्व सहायता समूह केशला, दिव्यांग समूह कुकराचुदा, जय माता दी स्व सहायता समूह बुचीपार, जागृति स्व सहायता समूह मोहभट्टा मॉ रणबौर गृहिणी दिव्यांग स्व सहायता

समूह एवं ममता गृहिणी दिव्यांग स्व सहायता रणबौर ,के सक्रिय सदस्यों जिसमें महिला 9 पुरूष 17 कुल 26 दिव्यांगो को हर घर की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिटर्जेट पाउडर एवं फिनाईल निर्माण का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन योग भवन बलौदाबाजार में शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से दिया गया। जिसमें विगत वर्ष में संस्था के सहयोग से आजिविका प्रशिक्षण प्राप्त कर समूह में कार्य कर रहे दो दिव्यांग समूह उज्जवल गृहिणी दिव्यांग एवं जय महामाया गृहिणी दिव्यांग स्व सहायता समूह के सक्रिय सदस्यों द्वारा फिनाईल एवं डिटर्जेट पावडर बनाने विधि से लेकर कच्चेमाल की उपलब्धता पैकिंग, मार्केटिंग एवं व्यवसायिक योजना पर विस्तृत जानकारी समूह के सदस्यों को दिया गया। संस्था कार्यकताओं के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित दिव्यांग प्रतिभागीयों को सामूहिक व्यवसाय करके आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया जिससें की आने वाले अगामी दिनों में दिव्यांग समूहों द्वारा वृहद स्तर पर कार्य करके बाजार में अपनी पहचान बना सकें। अब तक संस्था के सहयोग सें 30 दिव्यांग समूह द्वारा विभिन्न प्रकार के आजिविका प्रशिक्षण प्राप्त कर आय अर्जक गतिविधि करके दिव्यांग जन आत्म सम्मान से जीवन निर्वाह कर रहें है।

सर्व प्रथम फिलाइल बनाना सिखाया गया।
सामग्रीः पानी, पाइन तेल, पायसीकारी
प्रक्रिया
चरण 1 –
उपर्युक्त अनुपात के रूप में दोनों समाधानों को पकड़ने और ठीक से मिश्रण करने के लिए पर्याप्त क्षमता के साथ एक कंटेनर में पाइन तेल और पायसीकारकों को मिलाएं। पूरी हो जाने के बाद, यह एक केंद्रित सफेद फिनाइल की तरह दिखाई देगा।

चरण 2 –
पानी के साथ केंद्रित सफेद फिनाइल को मिश्रण करना है। आवश्यकतानुसार अनुपात 1:20 या 1:40 हो सकता है। फिर एक कंटेनर में पानी के साथ केंद्रित सफेद फिनाइल मिलाएं और मिश्रण या मिश्रण करने के लिए मशीन या चम्मच या किसी अन्य चीज का उपयोग कर सकते हैं।

ट्रेनर ने कहा कि एक लीटर केंद्रित सफेद फिनाइल के साथ 20 लीटर लिक्विड फिनाइल का उत्पादन किया जा सकता है, यानी 1:40 के अनुपात के साथ।
अंत में ट्रेनर ने कहा कि लिक्विड फिनाइल निर्माण इकाई समूहके सदस्यों को बड़ी पूंजी लगाने की जरूरत नहीं है। ट्रेनर ने यह भी कहा कि छोटे पैमाने से शुरू करना और विभिन्न प्रकार के मशीनरी आदि के उपयोग के साथ उन्नत प्रक्रिया को लागू करके धीरे–धीरे उत्पादन में वृद्धि करना। फिनाइल निर्माण में लाभ का मार्जिन बहुत अधिक है। वे अपने उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए अन्य दिव्यांगसमूहके प्रतिभागियों को भी सुझाव देते हैं क्योंकि यह व्यवसाय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। उन्हें सुझाव दें कि वे अपने उत्पाद को हॉस्पिटल्स, नर्सिंग होम, सार्वजनिक स्थानों, स्थानीय रिटेलरों या थोक विक्रेताओं के पास फिनाइल के बड़े ग्रकिग्राक बनाने का प्रयास करें ताकि वे अच्छी मात्रा में पैसा कमा सकें।

इसके बाद अगले सत्र में जय महामाया दिव्यांग समूहने डिटर्जेंट पाउडर निर्माण के बारे में चर्चा की और कहा कि कोई भी समूहमध्यम पूंजी निवेश के साथ एक डिटर्जेंट पाउडर बनाने का व्यवसाय शुरू कर सकता है और आसानी से ग्रामीण बाजार में बेच सकता है। क्योंकि वॉशिंग पाउडर सफाई और धोने के

उद्देश्य के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है और ग्रामीण क्षेत्र के साथ–साथ शकिग्रारी क्षेत्र में सभी के द्वारा उपयोग किया जाता है। उसके बाद जय महामाया दिव्यांग समूहने व्यावहारिक सत्र आयोजित किया और प्रतिभागियों से कहा कि उन्हें दस्ताने, मास्क का उपयोग करके सावधानी बरतनी चाहिए।

वाशिंग पाउडर तैयार करने की सामग्री
एसिड घोल, सोडा ऐश, सोडियम ट्राई पॉलीफॉस्फेट कोरबासी मिथाइल सेलहाउस, ट्रिसोडियम फॉस्फेट साधरण नमक, ब्राइटनर और इत्र
प्रक्रियाः – थ्रेडिंग वाशिंग पाउडर के लिए
चरण 1
सोडा एश मिश्रण के साथ एसिड घोल और एक घंटे के लिए रखें।
चरण 2
अन्य सामग्री जैसे सोडियम ट्राई पॉलीफॉस्फेट, कोर्बियो मैथाइल सेलहाउस, ट्रिसोडियम फॉस्फेट, साधरण नमक, ब्राइटनर और परफ्यूम को बेअसर एसिड स्लरी को ब्लेंड करें।
चरण 3
100ग्राम, 500ग्रा, 1किग्रा., 2किग्रा – 5किग्रा के पैकेट में वाशिंग पाउडर की पैकेजिंग।
अंत में वे यह भी सिखाते हैं कि पैकेजिंग कैसे करना है।

फोटो :– आजिविका से जुड़े दिव्यांग समूह का शैक्षणिक भ्रमण, योग भवन बलौदाबाजार

कार्यक्रम का नाम– राष्ट्रीय और दिव्यांगता एसडीजी, यूएनसीआरपीडी, एक्ट 2016 अधिनियम स्ववकालत डीपीओ प्रशिक्षण
प्रतिभागी संख्या– 15 महिला 24 पुरूष कुल 39
कार्यक्रम दिनॉक– 27से 28 जून 2019
कार्यक्रम स्थान– हॉटल आई.वी.वाई. रायपुर
कार्यक्रम विवरण– गृहिणी संस्था द्वारा राष्ट्रीय और दिव्यांगता एसडीजी, यूएनसीआरपीडी, एक्ट 2016 अधिनियम स्ववकालत डीपीओ प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था, जो साईटसेवर्स और ई.यू के सहयोग सहयोग से किया गया , समर्थ चौरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा आयोजित कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य डीपीओ को प्रशिक्षण प्रदान करना और डीपीओ को लीडर के रूप में सशक्त बनाने के लिए स्ववकालत योजना के माध्यम से एक कार्य योजना तैयार करना था जो इस प्रक्रिया में आगे आएंगे। प्रशिक्षण में कुल 39 प्रतिभागी उपस्थित थे, जिनमें से 24 पुरुष और 15 महिलाएँ कार्यशाला में

उपस्थित थीं। यह हॉटल आई वी.वाई रायपुर, छत्तीसगढ़ में 27 से 28 जून, 2019 तक दो दिवसीय का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के डीपीओ, राज्य योजना आयोग के अधिकारी, सामाजिक कल्याण विभाग, गृहिणी, समर्थ के सीएम सलाहकार सदस्य उपस्थित थे। चौरिटेबल ट्रस्ट, साईटसेवर्स के सदस्य उपस्थित थे। एस.डी.जी.

प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत प्रशिक्षक श्री केतन कोठारी प्रबंधक एडवोकेसी साइटसेवर्स, नम्रता मेहता, राष्ट्रीय समन्वयक ईयू, लुबना सैयद कादरी, वादा ना तोडो अभियान के राष्ट्रीय अभियान समन्वयक के स्वागत के साथ शुरू हुई, जिसके बाद उन्होंने पूरे प्रतिभागी का परिचय दिया। पिछले एस.डी.जी.और यूएनसीआरपीडीप्रशिक्षण अनुभव साझा करें और रिफ्रेशर प्रशिक्षण से उनकी अपेक्षा के बारे में भी उल्लेख करें। जिसके बाद 5 प्रमुख सतत विकास लक्ष्यों की गुणवत्ता शिक्षा, निर्णय कार्य और आर्थिक विकास, असमानता को कम करने, सतत शहरों और समुदायों को मुख्य रूप से श्री केतन कोठारी द्वारा दिव्यांगता से पीड़ित व्यक्ति के साथ परिचित कराने के लिए सतत विकास लक्ष्यों पर संक्षिप्त जानकारी दी गई। श्री प्रदीप शर्मा, सलाहकार मुख्यमंत्री, श्रीमती वात्सल्य मिश्रा सर्बनामी, छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग, श्रीमती श्रेया शुक्ला, एस.डी.जी.राज्य सलाहकार भी पहले दिन एक अतिथि के रूप में उपस्थित थे और छत्तीसगढ़ विकास प्रक्रिया एस.डी.जी.को कैसे शामिल करते हैं।

मुख्यमंत्री सलाहकार प्रदीप शर्मा को दिव्यांग के बारे में अपनी धारणा बदलने की जरूरत है कि हमें दिव्यांग के स्थान पर स्वयं को रखना है तो हम समझेंगे कि उनके सामने क्या समस्या है। उन्होंने बताया कि एसडीजी लक्ष्य 10: असमानता को कम करना जो दिव्यांग लोगों सहित सभी के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समावेशन को सशक्त बनाने और बढ़ावा देने के भीतर और भीतर देशों के बीच असमानता को कम करने का प्रयास करता है ताकि कोई भी पीछे न छूटे। और अंत में बताया कि अपने प्रमुख उद्देश्य में दिव्यांग व्यक्ति के लिए अनुकूल नीति बनाना है ताकि इसे अधिकतम संख्या में दिव्यांग तक पहुंचाया जा सके और इसका लाभ उठाया जा सके।

फिर श्री के ए सुब्रमण्यम छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के सदस्य, के बाद कि वे राज्य के लिए दिव्यांगता नीति विकसित करने की प्रक्रिया में हैं और जो भी जरूरी हो उसे साइटसेवर्स के परामर्श से जोड़ने का प्रयास करेंगे ताकि दिव्यांग सभी अधिकारों का लाभ उठा सकें। इसके अतिरिक्त वह भारतीय संविधान, मौलिक अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करते हैं

अनुच्छेद 14: कानून के समक्ष समानता दिव्यांग
अनुच्छेद 15: धर्म, जाति, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध
अनुच्छेद 16: सार्वजनिक रोजगार के अवसर की समानता।
अनुच्छेद 17: अस्पृश्यता का उन्मूलन
अनुच्छेद 18: उपाधियों का उन्मूलन
उन्होंने कहा कि यूएनसीआरपीडीके आधार पर एस.डी.जी.लक्ष्य निर्धारित किया गया था ताकि इसे दिए गए समय के साथ कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जा सके, फिर वह एक–एक करके सभी 17

सतत विकास लक्ष्यों को समझाता है और उन लक्ष्यों को भी रेखांकित करता है जो मुख्य रूप से दिव्यांग ता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। अंत में उन्होंने कहा कि हर राज्य को दिव्यांग के लिए अनुकूल नीति बनानी चाहिए, जैसा कि दिव्यांग अधिनियम में उल्लेख किया गया है और बताया गया है कि कुछ नीति को लागू होने में समय लगता है और कुछ को जल्दी लागू किया जाता है। उसके बाद उन्होंने 2 दिन के प्रशिक्षण के बाद अपने निष्कर्षों को साझा करने के लिए शेट्टर्स को कहा ताकि वे राज्य के दिव्यांग व्यक्ति के लिए अनुकूल नीति बनाने के लिए योजना समिति के साथ साझा करेंगे।

श्री के ए सुब्रमण्यम ने कहा कि यूएनसीआरपीडीका उद्देश्य दिव्यांगों के साथ सभी व्यक्तियों द्वारा सभी मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता के पूर्ण और समान आनंद को बढ़ावा देना, संरक्षित करना और सुनिश्चित करना है और उनके निहित सम्मान के लिए सम्मान को बढ़ावा देना है। अंत में उन्होंने बताया कि क्या वह सीएम को प्रस्ताव देंगे कि वे अलग–अलग प्रमुखों के लिए दिव्यांग के लिए विशिष्ट बजट आवंटित करें ताकि प्रत्येक को लाभ मिल सके।

श्रीमती अर्चना बंबल एरिया डायरेक्टर ने कहा कि साईटसेवर्स दृष्टिबाधित और नेत्रहीनों के लिए एक दान है, जिसने भारत और 30 अन्य देशों में मुकाबला करने और कम विशेषाधिकार प्राप्त के बीच दृश्य हानि का एक मजबूत आधार स्थापित किया है। साईटसेवर्स शिक्षा, आजीविका, और उनके काम के साथ सामाजिक समावेश के उनके अधिकार के संबंध में उनकी सहायता करते हैं। और बताया कि सरकार के साथ अभिसरण से उन्हें एसडीजी वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में यूरोपीय संघ ने एसडीजी वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए साइटर्स के साथ सहयोग किया। उन्होंने छाया रिपोर्ट तैयार करते समय सरकार को छग सामाजिक समावेशी कार्यक्रम रिपोर्ट का उपयोग करने के लिए भी कहा। और दिव्यांग के लिए मंच प्रदान करने के लिए योजना आयोग का सुझाव दें जहां वे साझा कर सकते हैं कि वे क्या उम्मीद करते हैं।

श्री केतन कोटारी ने बताया कि वर्ष 2012 में सुलभ बैंकिंग की शुरुआत हुई, जिसमें भारत सरकार द्वारा बड़ी पहल की गई। और कॉपी में सुधार के बाद बताया गया है कि राइट एक्ट ब्लाइंड प्रिंट मीडिया तक भी आसानी से पहुंच सकता है।

फोटो :– राष्ट्रीय और विकलांगता एसडीजी, यूएनसीआरपीडी, एक्ट 2016 अधिनियम स्ववकालत डीपीओ प्रशिक्षण, हॉटल आई .वी.वाई. रायपुर

कार्यक्रम का नाम– आजिविका से जुड़े दिव्यांग समूह का शैक्षणिक भ्रमण

प्रतिभागी संख्या– 5 महिला 16 पुरूष कुल 21

कार्यक्रम दिनॉक– 17से 18 जुलाई 2019

कार्यक्रम स्थान– निवकदिता फाउंडेशन चॉपा

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी संस्था एवं साईटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से निवेदिता फाउंडेशन, चॉपा में दिनॉक**17 से 18 जुलाई 2019** के साथ फिनाइल और डिटर्जेंट पाउडर, हैण्डवॉस के लिए दो दिवसीय एक्सपोजर विजिट किया गया। जिसमें 10 पीडब्ल्यूडी समूहके 21 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य समूहके सदस्य को उत्पाद की लागत को कम करके और बाजार पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए उनके उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करना है।

प्रशिक्षक श्रीमती शिप्रा देवी ने बताया कि उनके समूहक्या कर रहे हैं और वे कैसे आजीविका गतिविधि का प्रबंधन कर रहे हैं। उसके बाद प्रतिभागी कोनो गाँव गए जहाँ कामना समूहफिनाइल बनाने में लगे हुए हैं जहाँ समूहके सदस्य भी फिनाइल बनाने की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं और वे फाइनल की अच्छी गुणवत्ता तैयार करने के लिए किस घटक का उपयोग कर रहे हैं यह भी स्टेप बाई स्टेप प्रक्रिया द्वारा प्रदर्शित कर प्रशिक्षत किया। कामना समूहसदस्य ने यह भी बताया कि अधिक से अधिक ग्राहक आकर्षित करने के लिए वे अलग–अलग रंग का उपयोग कर रहे हैं। अंत में वे प्रतिभागियों को भी बताते हैं की कैसे वे मौजूदा बाजार के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्पाद की पैकेजिंग और लेबलिंग कर रहे हैं। कामना समूह उन रणनीतियों पर भी चर्चा करती है जो वे फिनाइल की मार्केटिंग करने के लिए अपनाते हैं। समूह के सदस्य इस बात का उल्लेख करते हैं कि अधिक ग्राहक को आकर्षित करने के लिए पैकेजिंग एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जैसा कि उन्होंने कहा कि उन्होंने उस समय बिना किसी ब्रांड नाम के उत्पाद बेचे। अब वे अधिक ग्राहक आकर्षित करने में सक्षम हैं।

अगले दिन प्रतिभागी औरेकेरा गाँव गए और संघर्ष समूह से संपर्क किया जो हैंड वाश लिक्विड बनाने में लगे हुए हैं। समूह सदस्य ने बताया कि हैंड वाश तैयार करने के लिए वे किन सामग्रियों का उपयोग कर रहे हैं और उन्होंने बताया कि वे स्थानीय बाजार में उत्पाद बेच रहे हैं। इसके बाद प्रतिभागियों ने साक्रीपली जाकर हरि महिला समूह से बातचीत की, जो डिटर्जेंट पाउडर बनाने में लगी हुई हैं। वे एक–एक करके पाउडर बनाने की प्रक्रिया और घटक भी प्रदर्शित करते हैं।समूहके सदस्यों ने बताया कि वे अपने समूह की गतिविधि का प्रबंधन कैसे कर रहे हैं। और यह भी उल्लेख करते हैं कि प्रत्येक और प्रत्येक सदस्य को जिम्मेदारी सौंपी जाती है जिसे उन्हें निभाना होगा। समूह के सदस्य लागत और लाभ, पैकेजिंग और मार्केटिंग आदि पर भी चर्चा करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को यह भी बताया कि वे गुणवत्ता में समझौता किए बिना लागत को कैसे कम कर रहे हैं।

इसके बाद धन्यवाद दिया गया और प्रतिभागियों ने एक्सपोजर विजिट से ली हुई प्रशिक्षण को भी साझा किया, जिसमें उनकी कमी है और उन्होंने यह भी बताया कि उन सभी विचारों को लागू करने से जो उन्होंने सीखा है वह उन्हें अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने में मदद करेगा।

फोटो :– आजिविका से जुड़े दिव्यांग समूह का शैक्षणिक भ्रमण

कार्यक्रम का नाम– शासकीय विभाग के आजिविका कार्य हेतु संवेदीकरण कार्यशाला
प्रतिभागी संख्या– 7 महिला 15 पुरूष एवं शासकीय अधिकारी 85 कुल 110
कार्यक्रम दिनॉक– 23 जुलाई 2019
कार्यक्रम स्थान– प्रगति हॉल कलेक्टर ऑफिस बलौदाबाजार
कार्यक्रम विवरण– गृहिणी संस्था और साइटसेवर्स, समाज कल्याण विभाग के सह सहयोग से प्रगति, हॉल, कलेक्ट्रेट भवन, बलौदाबाजार में दिनॉक 23 जुलाई 2019 को से दिव्यांगो के लिए आजीविका पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उन सभी सरकारी विभागों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दिव्यांगो से जुड़े हुए हैं। बलौदाबाजार जिले के सरकारी कर्मचारियों और डीपीओ सदस्य और लाभार्थी सहित कुल 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सत्र की शुरुआत श्री जोगेंद्र नायक, अपर कलेक्टर, बलौदाबाजार, श्री आशुतोष पांडे सीईओ बलौदाबाजार, श्रीमती आशा शुक्ला निदेशक, समाज कल्याण विभाग और अन्य सरकारी अधिकारियों के पुष्प देकर स्वागत यिा गया। तब श्रीमती रूपा श्रीवास्तव, अध्यक्ष ने ''छ.ग. सामाजिक समावेशी परियोजना'' के तहत गृहिणी संस्था और साइटसेवर्स क्या कर रहे हैं, इसकी एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। और चार ब्लॉक सिमगा, पलारी, भाटापारा, बलौदाबाजार में बलौदाबाजार जिले के दिव्यांगो के लिए क्या कर रहे हैं। प्रजेंटेशन के माध्यम से दिया गया। इसके साथ आर्थिक सशक्तीकरण, अधिकारों और अधिकारों, बाधामुक्त वातावरण जैसे उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित किया गया । फिर वह यह भी बताती है कि संस्था राज्य, जिला, ब्लॉक स्तर पर विभिन्न प्रशिक्षण, जीविका पर कार्यशाला, नेतृत्व और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण, सतत विकास लक्ष्य आदि का आयोजन करके कैसे दिव्यांगो को सशक्त बना रहा है और यह दिव्यांग लोगों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कैसे प्रभावित करता है। श्रीमती रूपा श्रीवास्तव ने तब प्रजेंटेशन के माध्यम से ब्लॉक वार समूह विवरणों का वर्णन किया जिसमें उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि समूह को एनआरएलएम के साथ जोड़ा गया था और एनआरएलएम के अधिकारी को एनआरएलएम में सक्रिय पीडब्ल्यूडी समूह को पंजीकृत करने का सुझाव दिया ताकि वे आर.एफ./सी.एफ. और अपनी आजीविका गतिविधि शुरू कर सकें। इसके अलावा अपर कलेक्टर ने एनआरएलएम के अधिकारियों को एनआरएलएम में गृहिणी के सक्रिय पीडब्ल्यूडी एसएचजी को पंजीकृत करने के लिए भी कहा। अगली स्लाइड में, गृहिणी अध्यक्ष आजीविका गतिविधि पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो बलौदाबाजार के पीडब्ल्यूडी एसएचजी द्वारा किए जाते हैं और बताया कि अधिकांश एसएचजी

अगरबत्ती बनाने, सिलाई, फिनाइल बनाने, डिटर्जेंट बनाने, बाजार कर वसुली में लगे हुए हैं और वे इस व्यापार में अच्छा कर रहे हैं । अगली स्लाइड में गृहिणी अध्यक्ष ने विभिन्न सरकारी विभाग से समूह की कुछ अपेक्षाओं पर चर्चा की

एनआरएलएम में पीडब्ल्यूडी एसएचजी रजिस्टर करें और आर.एफ.और सी.एफ. प्राप्त करने में उन्हें वरीयता दें।

सरकार से समूह को आउटलेट प्रदान करने के लिए ताकि समूह अपने उत्पाद को बेच सकें जो उनके द्वारा तैयार किया गया है।
पशुपालन विभाग से चूजों और बकरी के वितरण में लाभार्थी को पीडब्ल्यूडी की वरीयता देना।
उनकी दिव्यांगता के अनुसार पीडब्ल्यूडी को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करें।
बाजार कर वसुली के लिए पीडब्ल्यूडी एसएचजी को वरीयता।
स्वच्छ भारत अभियान के लिए पीडब्ल्यूडी एसएचजी को वरीयता।
महिला और बाल विकास विभाग से पीडब्लूडी एसएचजी को दिए जाने वाले भोजन और मध्यान्ह भोजन को तैयार करने के लिए प्राथमिकता दी जाती है।
सभी सरकारी विभाग में दिव्यांग मित्र प्रदान करना।
इसके अतिरिक्त श्री जोगेंद्र नायक अपर कलेक्टर ने कौशल विकास विभाग, बलौदाबाजार कार्यालयों को विकलांगता के अनुसार ट्रेडों की पहचान करने के निर्देश दिए और कौशल विकास विभाग के अधिकारियों को उन्हें वरीयता देने के लिए भी कहा। श्री आशुतोष पांडे सीईओ बलौदाबाजार सभी विभाग को दिव्यांग व्यक्ति के लिए बाधामुक्त वातावरण बनाने का निर्देश देते हैं ताकि वे अपने अधिकारों और अधिकारों के लिए आसानी से पहुंच सकें। इसके बाद आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 की प्रस्तुति, श्री घनश्याम साहू, अध्यक्ष, जनमानव विलांग कल्याण संघ बलौदाबाजार ने की जिसमें उन्होंने शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, पुनर्वास और मनोरंजन जैसे कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया। विकलांगता पर केंद्रीय और राज्य सलाहकार बोर्ड और जिला स्तरीय समिति, विशेष अदालत, अपराध और दंड, विकलांगता वाले व्यक्ति के लिए राज्य निधि। इसके बाद श्री जोगेंद्र नायक, अपर कलेक्टर तिलक निषाद, तमिल ध्रुव, पुरुषोत्तम साहु को राज्य स्तरीय व्हील चेयर क्रिकेट में उनके खेल में अच्छे प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

फोटो :– शासकीय विभाग के आजिविका कार्य हेतु संवेदीकरण कार्यशाला, प्रगति हॉल कलेक्टर ऑफिस बलौदाबाजार

कार्यक्रम का नाम– राज्य स्तरीय स्व वकालत

प्रतिभागी संख्या– 3 महिला 6 पुरूष 9

कार्यक्रम दिनॉक– 20 जुलाई 2019

कार्यक्रम स्थान– मुख्यमंत्री जन दर्शन रायपुर (छ.ग.)

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी संस्था और साइटसेवर्स के सहयोग से जिला दिव्यांग संघ ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को आर पी डब्लु डी एक्ट 2016 के अनुसार राज्य में सभी संशोधन लागू करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया, जो राज्य के अधीन हैं, जैसे कि बिना किसी भेदभाव के विकलांग बच्चों को समावेशी शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा, कौशल विकास और इस सरकार के लिए रोजगार योजनाएँ और विशेषकर व्यावसायिक प्रशिक्षण और स्वरोजगार, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, पुनर्वास और मनोरंजन के लिए दिव्यांग व्यक्तियों के रोजगार और सहायता के लिए रियायती दरों पर ऋण के प्रावधान सहित कार्यक्रम इस सरकार के लिए आवश्यक योजनाओं और कार्यक्रमों को सुरक्षित रखने और बढ़ावा देने के लिए तैयार करेंगे विकलांग व्यक्तियों के लिए पर्याप्त जीवन स्तर के लिए उन्हें स्वतंत्र या समुदाय, केंद्रीय और राज्य सलाहकार बोर्ड की दिव्यांगता और जिला स्तरीय समिति में सक्षम बनाने के लिए। ताकि यह दिव्यांगो को समानता के अधिकार, गरिमा के साथ जीवन का आनंद लेने और दूसरों के साथ समान रूप से अपनी ईमानदारी का सम्मान करने में मदद करे।

फोटो :– राज्य स्तरीय स्व वकालत, मुख्यमंत्री जन दर्शन रायपुर

कार्यक्रम का नाम– दिव्यांग समूहो को वैल्यु एडीकशन स्पलाई चैन मैनेजमेंट फिनाइल एवं डिटर्जेट पावडर प्रशिक्षण

प्रतिभागी संख्या– 8 महिला 17 पुरूष कुल 25

कार्यक्रम दिनॉक– दिनॉक 06 सितम्बर 2019 से 07 सितम्बर 2019

कार्यक्रम स्थान– महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी संस्था और साइटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद में दिनॉक 06 सितम्बर 2019 से 07 सितम्बर 2019 को दो दिवसीय दिव्यांग समूहो को वैल्यु एडीकशन स्पलाई चैन मैनेजमेंट फिनाइल एवं डिटर्जेट पावडर प्रशिक्षण आयोजन किया गया जो फिनाइल और डिटर्जेंट पाउडर बनाने में लगे हुए हैं। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को इस बात से अवगत कराना है कि वे कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद कैसे बना सकते हैं। जिला बलौदाबाजार के चार ब्लाक सिमगा, बलौदाबाजार, भाटापारा, एवं पलारी से इस प्रशिक्षण में 9 दिव्यांग समूहों ने हिस्सा लिया। जिसमें कुल 25 (पुरुष 17, महिला 8) दिव्यांग समूहों सक्रिय सदस्य उपस्थित थे। सत्र की शुरुआत रिसोर्स पर्सन श्री रेक्स मेहता, सीईओ, जीपीआर स्ट्रैटेजीज एंड सॉल्यूशंस और श्रीमती

गायत्री सिंह के स्वागत के बाद हुआ, जिसके बाद प्रतिभागी एक–एक करके अपना परिचय देते हैं। तब रिसोर्स पर्सन ने कहा कि किसी भी उद्यम को शुरू करने के लिए किसी को बाजार, कच्चे माल, ग्राहक की जरूरत, प्रतिस्पर्धी आदि से संबंधित जानकारी एकत्र करनी चाहिए, इससे उन्हें लंबे समय तक व्यवसाय बनाए रखने में मदद मिलेगी। उसके बाद संसाधन व्यक्ति से पूछा गया कि डिटर्जेंट पाउडर बनाने के लिए वे किन सामग्रियों का उपयोग करते हैं और किस अनुपात में हैं। प्रशिक्षक ने व्यवसाय योजना पर चर्चा करते हैं ताकि दिव्यांग समूहों सदस्य निवेश और व्यय के बारे में जान सकें। उसके बाद रिसोर्स पर्सन ने कहा कि डिटर्जेंट पाउडर जैसे ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट, रॉ मटेरियल, लेबर कॉस्ट, इक्विपमेंट, पैकेजिंग, रेंट, इलेक्ट्रिसिटी कॉस्ट बनाते समय कई खर्च होते हैं। दिव्यांग समूहों सदस्य डिटर्जेंट पाउडर बेचते समय किस समस्या का सामना करते हैं। इस संसाधन के अलावा व्यक्ति ने कहा कि बाजार में विभिन्न प्रकार के डिटर्जेंट पाउडर अलग–अलग गुणवत्ता में उपलब्ध हैं। और सुझाव दें कि बाजार के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उन्हें उत्पाद बनाना होगा जो कि अन्य प्रतियोगी के समान है जो अधिक ग्राहक नहीं रखते हैं। अगले सत्र में दोनों संसाधन व्यक्ति दिव्यांग समूहों के सदस्यों को थोक में गुणवत्ता वाले कच्चे माल की खरीद करने का सुझाव देते हैं ताकि वे लागत को कम कर सकें और दिव्यांगो को यह भी दिखा सकें कि कच्चे माल की गुणवत्ता को कैसे मापें और उल्लेख करें कि रॉ की गुणवत्ता को मापते समय उन्हें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। प्रशिक्षक ने यह भी सुझाव दिया कि अधिक ग्राहक को आकर्षित करने के लिए वे डिटर्जेंट पाउडर में अलग–अलग सुगंध भी जोड़ सकते हैं। अगले दिन का सत्र शुरू करते हैं, जिसमें प्रशिक्षक दिव्यांगो ने यह साझा करने के लिए कहता है कि वे किस घटक का उपयोग कर रहे हैं और फिनाइल का उपयोग क्या है। फिर एक–एक करके दिव्यांग समूहों के सदस्य साझा करते हैं कि वे किस संसाधन का उपयोग कर रहे हैं और इस संसाधन के अतिरिक्त किस अनुपात में हैं कि अपने उत्पाद को अधिक आकर्षित करने के लिए वे सुगंध जैसे नींबू, गुलाब, पुष्प, आदि का उपयोग कर सकते हैं। फिर फिनाइल की व्यावसायिक योजना और निवेश और व्यय के बारे में जागरूक दिव्यांग सदस्यों पर चर्चा करें। उसके बाद ट्रेनर प्रदर्शित करता है कि फिनाइल बनाने के लिए कच्चे माल की अच्छी गुणवत्ता की पहचान कैसे करें जो इस संसाधन व्यक्ति के अलावा बाजार में आसानी से प्रतिस्पर्धा कर सकता है और सुझाव देता है कि फिनाइल की गुणवत्ता से समझौता किए बिना एसएचजी सदस्य लागत में कटौती कैसे कर सकते हैं।

अंत में दिव्यांग समूहों सदस्य ने 2 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान जो कुछ भी सीखा है उसे साझा करें। इसके बाद प्रतिभागियों के साथ–साथ रिसोर्स पर्सन को भी धन्यवाद दिया गया।

फोटो :–दिव्यांग समूहो को वैल्यु एडीकशन स्पलाई चैन मैनेजमेंट फिनाइल एवं डिटर्जेंट पावडर प्रशिक्षण , महिला सबलीकरण केन्द्र कुथरौद

कार्यक्रम का नाम– विश्व दृष्टि दिवस नेत्र जॉच/नेत्र सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिभागी संख्या– 81 महिला 60 पुरूष कुल 141

कार्यक्रम दिनॉक– दिनॉक 12 अक्टुबर 2019

कार्यक्रम स्थान– ग्राम छडियॉ ब्लाक पलारी

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी संस्था, साइटसेवर्स एवं स्वास्थ्य विभाग पलारी के सहयोग से ग्राम छडियॉ ब्लाक पलारी में दिनॉक 12 अक्टुबर 2019 को विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर नेत्र जॉच/नेत्र सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष का थीम विजन था क्योकि विश्व दृष्टि दिवस पुरे विश्वस्तर पर मनाया जाता है तथा इस विश्वस्तरीय कार्यक्रम को संस्था द्वारा प्रति वर्ष लोगो को जागरूक करने के लिए जिला में जिसमें ग्राम पंचायत छड़िया के दिव्यांग तथा गैर दिव्यांग ग्रामीणजन जरूरतमंद 81 महिला 60 पुरूष कुल 141 ने ऑख का जॉच कराया साथ ही डॉक्टरो के द्वारा बी.पी. हिमोग्लोबिन की जॉच कर आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया। नेत्र सहायक डॉ सुकांती सोना ने उपस्थित लोगो को नेत्र सुरक्षा व जॉच पर जानकारी प्रदान किया व बताया की मोतियांबिंद ऑपरेशन हेतु 2 मरीज चश्मा हेतु 18 मरीज , टेरिजियम के 5 मरीजो (माईनर ऑपरेशन) का चिन्हॉकन किया गया है ,जिन्हे उचित उपचार हेतु सलाह दिया गया। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पलारी के बी.एम.ओं. डॉ. निराला ने ऑखो के प्रति सजग रहने की सलाह देते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं से लोगो को अवगत कराया गया। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. साहू ने ऑखों की ज्योति बढ़ाने के लिए हरे सब्जी के प्रयोग सुरक्षा हेतु चश्मा के उपयोग पर प्रकाश डाला कार्यक्रम को सफल बनाने में सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र पलारी के डॉ मुखर्जी, रोशन मानिकपुरी, संजय कुमार पैकरा, जयराम पटेल, रामा वर्मा ,तुमनाथ वर्मा ,देवप्रसाद यदु ,गृहिणी संस्था के कार्यकर्ताओं ग्राम प्रचायत छड़िया के जन प्रतिनिधियों ग्रामीणों व जनमानव विकलांग कल्याण संघ जिला बलौदाबाजार का विशेष योगदान रहा।

फोटो :– विश्व दृष्टि दिवस नेत्र जॉच/नेत्र सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, ग्राम छडियॉ ब्लाक पलारी

कार्यक्रम का नाम– 8वीं राष्ट्रीय दृष्टिबाधित जुडो खेल प्रतियोगिता

प्रतिभागी संख्या– 5 महिला 2 पुरूष कुल 7

कार्यक्रम दिनॉक– दिनॉक 1 नवंबर से 4 नवंबर 2019

कार्यक्रम स्थान– लाल बहादुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में हैदराबाद

कार्यक्रम विवरण–1 नवंबर 2019 से 4 नवंबर 2019 तक सर लाल बहादुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में हैदराबाद में 8 वीं राष्ट्रीय दृष्टिबाधित जूडो चौंपियनशिप 2019 का आयोजन किया गया, जिसका आयोजन इंडियन ब्लाइंड और पैरा जूडो एसोसिएशन द्वारा किया गया था। जिसमें पुरुषों और महिलाओं के समूहों में 450 से अधिक दृष्टिबाधित जूडो खिलाड़ियों ने तीन श्रेणियों में भाग लिया – सब जूनियर, जूनियर और सीनियर 20 राज्यों से। इंडियन ब्लाइंड और पैरा जूडो एसोसिएशन के अधिकारियों ने कहा कि भारत के दृष्टिबाधित जुडो का धीरे–धीरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने यूनाइटेड किंगडम में आयोजित कॉमनवेल्थ जूडो चौंपियनशिप के 16 वें संस्करण में क्लीन स्वीप किया और सात स्वर्ण पदक जीते। इस वर्ष फिर से छत्तीसगढ़ के 37 खिलाड़ियों ने सक्रिय भागीदारी की और गृहिणी और साइटसेवर्स के सहयोग से कुल 7 (पुरुष– 2, महिला– 5) दृष्टिबाधित और अल्पदृष्टि वाले खिलाड़ियों ने भी चौम्पियनशिप में बलौदाबाजार का भागीदारी किया गया। उर्मिला यादव जूनियर वर्ग 35 किग्रा, मंजुला कोसले सीनियर वर्ग 40 किग्रा, जागेश्वरी वर्मा वर्ग सीनियर 35 किग्रा, मालती साहू वरिष्ठ वर्ग 55 किग्रा, सकुंतला साहू सीनियर वर्ग 75 किग्रा, नेहरू वेटरन सीनियर वर्ग 60 किग्रा, कोमल वर्मा, वरिष्ठ वर्ग 81 किग्रा। जूडो की विभिन्न श्रेणी में भी वे बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हैं। टीम छत्तीसगढ़ ने कुल 5 पदक जीते जिसमें 2 रजत पदक, 3 कांस्य पदक और बलौदाबाजार से शकुंतला साहू ने 70 किलोग्राम सीनियर वर्ग में रजत पदक जीता।

अंत में 8 वीं राष्ट्रीय अंधी जूडो चौंपियनशिप 2019 में श्री श्रीनिवास गौड़ गरु, तेलंगाना के खेल मंत्री ने जुडो ने उत्साह जनक शब्दों से उत्साहित किया और उनसे खेल और देश के प्रति अपने जुनून को जारी रखने का आग्रह किया। प्रतिभागियों के प्रदर्शन से वह भी बेहद प्रभावित हुए। इसके बाद सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया गया।

फोटो :– 8वीं राष्ट्रीय दृष्टिबाधित जुडो खेल प्रतियोगिता, लाल बहादुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में हैदराबाद

कार्यक्रम का नाम– विश्व दिव्यांग दिवस 2019
प्रतिभागी संख्या– 56 महिला 78 पुरूष कुल 134
कार्यक्रम दिनॉक– दिनॉक 11 दिसम्बर 2019
कार्यक्रम स्थान– ग्राम सुहेला ब्लाक सिमगा जिला बलौदाबाजार
कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, साईटसेवर्स एवं जनमानव विकलांग कल्याण संघ बलौदाबाजार के संयुक्त प्रयास से छत्तीसगढ़ सामाजिक समावेशी परियोजना अंतर्गत दिनॉक 11 दिसम्बर 2019 को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर ''खेल और सांस्कृतिक''

कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर सुहेला में किया गया जिसमें जिला के 56 महिला 78 पुरूष कुल 134 लोगो ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के अतिथि शास.हा.से.स्कुल के प्राचार्य श्रीमान दानेश्वर प्रसाद, श्रीमती दानेश्वरी संतोष नायक सरपंच ग्राम पंचायत सुहेला, डॉ. पटेल सामु.स्वा.केन्द्र सुहेला प्रभारी, डॉ. प्रशांत सामु.स्वा.केन्द्र सुहेला एवं संस्था कार्यकर्ता एवं दिव्यांग संघ के द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। जिसके बाद संस्था कार्यक्रम अधिकारी ने संस्था का परिचय दिया और संस्था द्वारा संचालित परियोजनाओं और उद्देश्य के बारे में उपस्थित लोगो को जानकारी दिया, अतिथियों और संस्था कार्यकर्ता, संघ सदस्यों ने रिबन काटकर खेल कार्यक्रम प्रारंभ किया। इस कार्यक्रम में बलौदाबाजार एवं रायपुर जिला से दिव्यांग एवं गैर दिव्यांग साथियों ने हिस्सा लिया कार्यक्रम में विभिन्न खेलों जैसे बैलुन फुलाला प्रथम हेमा निषाद, द्वितीय विनीता साहू , तृतीय जानकी, बैसाखी/डंडा दौड़ प्रथम योगेश्वर, द्वितीय जग्गु, तृतीय घनश्याम, बाल डुबाना प्रथम भोलेश्वरी, द्वितीय गीरिश, तृतीय रोहित, रिंग फेक प्रथम राधा पटेल, द्वितीय अन्नु निषाद, तृतीय नीलकुंवर, ब्लाक दौड़ प्रथम भोलेश्वरी, द्वितीय गीरिश, तृतीय रोहित दृ,ष्टि बाधित दौड़ प्रथम सत्यम, द्वितीय टिकेश्वर, तृतीय नकुल रंगोली प्रथम कमलनारायण (बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ), द्वितीय मधुबाला (वृक्षारोपण) , तृतीय खगेश पटेल (बजरंग बली) मे दिव्यांगो ने बढ़ चढ़कर भाग लेकर विजयी हुआ। इसके बाद आर.पी.डब्लू.डी. एक्ट 2016, सतत् विकास लक्ष्य, यु. एन.सी.आर.पी.डी. तथा शासकीय योजनाओं के बारे में प्रश्नोत्तरी खेल में दिव्यांग तथा गैर दिव्यांगो ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान दानेश्वर प्रसाद कोशले प्राचार्य सुहेला ने दिव्यांगो द्वारा विभिन्न क्षेत्रो में मुकाम हासिल करने की उदाहरण देते हुए प्रेरित किया व कार्यक्रम आयोजन हेतु बधाई देते हुए समग्र शिक्षा पर प्रकाश डाला। दिव्यांग संघ अध्यक्ष ने सतत् विकास लक्ष्य के 17 गोल के बारे में एवं संघ के कार्यो का संक्षिप्त जानकारी दिया। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत अरपा पैरी के धार में नृत्य कर प्रस्तुती किया इसके बाद नाटय् कला के द्वारा दिव्यांग जन अधिनियम 2016 का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का समापन करते हुए विभिन्न खेलो के विजेताओं को सम्मानित कर पुरस्कार वितरण किया गया। जिला में उत्कृष्ठ कार्य के लिए दिव्यांग संघ एवं आजिविका से जुडे हुए इंदिरा गृहिणी दिव्यांग समूह तुरमा को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

फोटो :– विश्व दिव्यांग दिवस 2019, ग्राम सुहेला ब्लाक सिमगा जिला बलौदाबाजार

कार्यक्रम का नाम– दिव्यांग संघ सशक्तिकरण एवं जिलास्तरीय दिव्यांग संघ बैठक

प्रतिभागी संख्या– 13 महिला 19 पुरूष कुल 32

कार्यक्रम दिनॉक– दिनॉक 24 दिसम्बर 2019

कार्यक्रम स्थान– हॉटल पार्क प्लाजा बलौदाबाजार

कार्यक्रम विवरण– गृहिणी स्वयं सेवी संस्था, साइटसेवर्स एवं जनमानव विकलांग कल्याण संघ जिला बलौदाबाजार के साथ मिलकर दिव्यांग संघ सशक्तिकरण एवं जिलास्तरीय दिव्यांग संघ बैठक हॉटल पार्क प्लाजा बलौदाबाजार में दिनॉक 24 दिसम्बर 2019 में आयोजित किया गया जिसमें जिला के 13 महिला 19 पुरूष कुल 32 दिव्यांग सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ आपसी परिचय के साथ किया गया इस कार्यक्रम प्रशिक्षिका प्रधान संस्था रायपुर से तमाली जी एवं समर्थ संस्था से स्टेट डी.पी.ओ. कोआर्डिनेटर युरोपियन युनियन रिम्पा वर्मा जी थें । प्रशिक्षिका ने प्रशिक्षिण में आये हुए दिव्यांगों को चित्र बनाने तथा बनायें हुए चित्र का उसके जीवन के महत्व बताने के लिए कहॉ। इसके बाद दिव्यांग संघ ने गठन वर्ष 2012 से अब तक के चुनौतियों एवं उपल्धियों कार्यो को चार्ट पेपर के माध्यम से प्रजेटेशन दिया। प्रशिक्षिका के द्वारा जिला स्तरीय दिव्यांग संगठन को मजबुत करने लिए सदस्यता फार्म भरने, सदस्यता शुल्क, संघ के सदस्यों के बैठक में उपस्थित, ग्राम स्तर के मुददो को स्ववकालत के माध्यम से शासन तक पहुॅचाने के लिए कार्ययोजना बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। तथा संघ को जिला में शासकीय तथा गैर सरकारी संगठन के साथ मिलकर दिव्यांग सशक्तिकरण की दिशा में लगातार जागरूकता कार्यक्रम करके दिव्यांगो को सभी समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कार्य करने को कहॉ गया जिससे वह गैर दिव्यांगों की तरह आत्म सम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर सकें। इस बैठक का नेतृत्व गृहिणी संस्था ने किया जिसमें संस्था के द्वारा दिव्यांगों के सामाजिक उत्थान के लिए हर संभव मदद् करने की बात कहीं गई।

फोटो :– दिव्यांग संघ सशक्तिकरण एवं जिलास्तरीय दिव्यांग संघ बैठक,हॉटल पार्क प्लाजा जिला बलौदाबाजार

कार्यक्रम का नाम– दिव्यांग समूहों का विपणन रणनीति प्रशिक्षण कार्यशाला

प्रतिभागी संख्या– 9 महिला 23 पुरूष कुल 32

कार्यक्रम दिनॉक– दिनॉक 30 दिसम्बर 2019

कार्यक्रम स्थान– हॉटल पार्क प्लाजा बलौदाबाजार

कार्यक्रम विवरण–गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं साइटसेवर्स के संयुक्त प्रयास से दिव्यांग समूहों का विपणन रणनीति प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन हॉटल पार्क प्लाजा में किया गया जिसमें जिला के 9 महिला 23 पुरूष कुल 32 दिव्यांग सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ आपसी परिचय के साथ किया गया इस कार्यक्रम के प्रशिक्षक स्माइल संस्था रायपुर से श्रीमान जितेन्द्र सिंह जी ने प्रशिक्षिण में आये हुए दिव्यांगों को आजिविका से जुड़े गतिविधि में होने वाले विक्रय संबंधी परेशानी की जानकारी लिया। उसके बाद प्रशिक्षक ने उपस्थित दिव्यांगों को बाजार का आकलन,

बाजार के नियम, कच्चे माल की उपलब्धता, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन व रखरखाव की जानकरी देते हुए उत्पादक व उपभोक्ता के बीच पार्दर्शितापूर्ण लेनदेन संबंधी जानकारी प्रदान किया। वर्तमान में प्रतिस्पर्धापूर्ण बाजार की स्थिति को समझाने एक छोटे खेल के माध्यम से संदेश दिया कि किसी का व्यवसाय गिराने के बजाय मिलकर बाजार में मॉग अनुरूप पुर्ति किया जाना ज्यादा बेहतर लाभ प्रदान करेगा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्रीमती आशा शुक्ला उपसंचालक समाज कल्याण विभाग व श्रीमती प्रीति बंछोर खेल विभाग जिला बलौदाबाजार ने दिव्यांगो को जागरूक करते हुए शासन की योजना की जानकारी दिया व आगामी पंचायत चुनाव में दिव्यांगों की शत् प्रतिशत् भागीदारी कराने संस्था एवं दिव्यांग संघ के साथ मिलकर चुनावी जागरूकता कार्यक्रम आयोजन पर प्रकाश डाला। इस कार्यशाला का नेतृत्व गृहिणी संस्था ने किया जिसमें संस्था के द्वारा दिव्यांगों के सामाजिक उत्थान के लिए हर संभव मदद् करने की बात कहीं गई।

फोटो :– दिव्यांग समूहों का विपणन रणनीति प्रशिक्षण कार्यशाला, हॉटल पार्क प्लाजा जिला बलौदाबाजार

चाइल्ड लाइन 1098 परियोजना अंतर्गत

कार्यक्रम के नाम

- ❖ खुला मंच (ओपन हाउस)
- ❖ चाइल्ड लाइन से दोस्ती सप्ताह
- ❖ अवर्नेस प्रोग्रांम

कार्यक्रम स्थल

- ❖ जिला बलौदाबाजार–भाटापारा के 6 ब्लाक बलौदाबाजार, सिमगा , भाठापारा, पलारी ,कसडोल, बिलाईगढ़, के शासकीय एवं गैर शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूलों में अवर्नेस प्रोग्राम किया गया।
- ❖ जिला बलौदाबाजार–भाटापारा के सार्वजनिक स्थलों –जैसे बस स्टैड, रेल्वे स्टेशन, बाजारों में, चौक चौराहों में ,आंगनबाडी एवं अन्य स्थलों में कार्यक्रम किया गया।

कार्यक्रम का विवरण

खुला मंच कार्यक्रम गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं चाइल्ड लाइन 1098 परियोजना अंन्तर्गत स्कुल में चाइल्ड लाइन 1098 की जानकारी दी जाती है जिसमें स्कूली बच्चे एवं स्कूल स्टाफ व आमजन मानस उपस्थित होते है।यहां गुड टच बैड टच की जानकारी बच्चों को सारे नियमों से अवगत कराया जाता हैं उनसे स्कूली संम्बंधी समस्याओं के बारे में जानकारी लेकर चर्चा करना व उसके समाधान के लिए प्रयास किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान बच्चो के साथ प्रतियोगिता भी करायी जाती है व पुरूस्कार विवरण भी किया जाता है।

अगस्त से मोंपका रसेडी व चांपा में ओपन हाउस करवाए जा चूके हैं।

इस कार्यक्रम में लड़के 342,लड़कियां 491 कुल 833 बच्चे शामिल हुए ।

चाइल्ड लाइन से दोस्ती कार्यक्रम गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं चाइल्ड लाइन 1098 परियोजना के अंन्तर्गत 7 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसमें चाइल्ड लाइन से दोस्ती बैंड बांधकर सभी विभागों के अधिकारियों को चाइल्ड लाइन की गतिविधियों की जानकारी दी जाती है व सहयोग के लिए कहा जाता है। व रेल्वे स्टेशन व कलेक्ट्रेट में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया । जिला के निम्न स्कूलों में चक्रपाणी हॉयर सेकन्ड्री स्कुल बलौदाबाजार, शास.हॉयर सेकन्ड्री स्कुल डमरू, शास.हॉयर सेकन्ड्री स्कुल लटुवा, शास.हॉयर सेकन्ड्री स्कुल पनगॉव, दिव्यांग संघ बलौदाबाजार, चाइल्ड लाइन की जानकारी दी गई। चाइल्ड लाइन किस तरह काम करता है ये बताया गया व कॉल टेस्टिंग कराया गया विभिन्न आयोजन जैसे वृक्षारोपण, केक कटिंग, पेंटिंग काम्पिटिशन ,प्रष्नोत्तरी ,मानसिक एकाग्रता वाले खेल कर पुरस्कार वितरित करके सम्मानित किया गया तथा बच्चो के उत्साह वर्धन के लिए बच्चों को स्वल्पाहार वितरित किया गया।

चाइल्ड लाइन दोस्ती कार्यक्रम में लड़के 1590 लडकियां 1375 कुल 2965 बच्चे उपस्थित रहे।

अवर्नेस

गृहिणी स्वयं सेवी संस्था एवं चाइल्ड लाइन 1098 परियोजना के अंतर्गत प्रतिदिन सभी गृहिणी चाइल्ड लाइन कार्यकर्ता द्वारा ब्लाक के स्कूलों में जाकर चाइल्ड लाइन 1098 की जानकारी दिया गया अवर्नेस के द्वारा अब तक 2589 लड़कियां व 1818 लड़के कुल 4407 बच्चे उपस्थित रहे।

Childline Balodabazar (C.G.)

चाइल्ड लाइन 1098

Childline Dosti Week
Childline Balodabazar (C.G.)

न ने स्काउट-गाइड के छात्रों को पा
नियम और यातायात नियमों की जा

जितेंद्र भारती, मीरा साहू, सोमेंद्र साहू, विक्रम सिंह, स्काउड-गाइड प्रशिक्षक, चाइल्ड लाइन से क्षेत्रीय कार्यकर्ता सहित 800

स्कूली छात्र-छ
कार्यक्रम की
संस्था की अध
श्रीवास्तव ने

उपलब्धिः–

क्रमॉक	योजनाएँ	उपलब्धि 2019
1	बेसलाईन सर्वे अपडेट	3418
2	दिव्यांगता प्रमाण पत्र	421
3	दृष्टि बाधित कैम्प में भागीदारी	10
4	विवाहित दिव्यांग	48
5	बी.पी.एल.राशन कार्ड	405
6	परिवार राशन कार्ड	295
7	वोटर आई.डी.कार्ड	334
8	आधार कार्ड	122
9	सहायक उपकरण	48
10	मनरेगा कार्ड	83
11	पेंशन	424

12	बस पास	03
13	रेल पास	02
14	बैंक खाता	349
15	प्रधानमंत्री / इंदिरा आवास प्राप्त	13
16	एन.एच.एफ.डी.सी से ऋण प्राप्त	01
17	अन्य स्त्रोत से अनुदान प्राप्त	35
18	स्मार्ट कार्ड	416
19	क्षमता विकास प्रशिक्षण	704
20	आजिविका प्रशिक्षण	200
21	रोजगार मेला में भाग	13
22	दिव्यांग संघ सदस्य	492
23	दिव्यांग समूह सदस्य	61
24	नया समूह निर्माण	11
25	एन.आर.एल.एम. समूह	20
26	आजिविका से जुड़े समूह	33
27	समूह का खाता खुला	5
28	रेगुलर बचत	20
29	बाजार से जुड़ा समूह	29
30	जागरूकता कार्यक्रम साईटसेवर्स	634
31	चाइल्ड लाइन परियोजना (खुला मंच, चाइल्ड लाइन से दोस्ती, अवर्नेस, आउटरीच)	9216

प्रेस रिलीज

दिव्यांगों ने खेलों में दिखाई प्रतिभा
स्वप्रेरणा से ही महिलाओं का विकास सम्भव
बलौदाबाजार में खुलेगा निःशक्तजन पुनर्वास केन्द्र
छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर गृहिणी संस्था के पांच खिलाड़ियों ने जीते मेडल
दिव्यांगों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला
छत्तीसगढ़ पैरालिंपिक जूडो की टीम स्पर्धा में हिस्सा लेने हैदराबाद रवाना
संवेदनशीलता से करें दिव्यांगजनों के कार्य
आजिविका मिशन ने बदली जिंदगी की तस्वीर
युवाओं को मिला प्रशिक्षण
कलेक्टर ने निःशक्तों की समस्या सुन तत्काल कराया निराकरण
दिव्यांगों को दिया गया फिनाइल और डिटर्जेंट पाउडर निर्माण का प्रशिक्षण
दिव्यांगों को जागरूक करना आवश्यक
मॉक पोल का आयोजन कर बताई मतदान प्रक्रिया
हाफ मैराथन आज, 60 दिव्यांग लेंगे हिस्सा
दिव्यांगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण
दिव्यांगों को ईवीएम और वीवीपैट की प्रक्रिया बताई
निःशक्तों के लिए बाधारहित और आसान होंगे शासकीय भवन
दिव्यांगों को बनाना है सशक्त, ताकि वे हों अधिकारों के प्रति जागरूक
विकलांगों के प्रति सहानुभूति न रखें, बल्कि स्वअनुभूति का भाव रखें : प्रदीप शर्मा

नवभारत
सुपोषण चौपाल में गोद भराई व अन्न प्राशन्न
ग्राम रिसदा में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल हुईं महिलाएं

नईदुनिया
30 शिशुओं का अन्नप्राशन और 29 महिलाओं की गोदभराई

ईमामी सीमेंट-महिला बाल विकास का रिसदा में सुपोषण कार्यक्रम

पत्रिका
30 शिशुओं का अन्न प्राशन तथा 29 गर्भवती महिलाओं की हुई गोदभराई
ईमामी सीमेंट और महिला बाल विकास ने रिसदा में किया सुपोषण कार्यक्रम

दबंग दुनिया
ईमामी सीमेंट कर रही अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन

ईमामी सीमेंट, महिला बाल विकास विभाग ने दि...
» 30 शिशुओं का अन्नप्राशन तथा 29 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई » स्वास्थ जागरुकता के साथ ही...

प्रखर समाचार — रायपुर, शनिवार 21 दिसंबर 2019
30 शिशुओं का अन्नप्राशन तथा 29 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की गई
ईमामी सीमेंट व महिला बाल विकास द्वारा रिसदा में सुपोषण कार्यक्रम

स्वदेश — रायपुर, शुक्रवार 20 दिसंबर, 2019 | 5
ईमामी सीमेंट तथा महिला बाल विकास ने रिसदा में सुपोषण कार्यक्रम का किया आयोजन
30 शिशुओं का अन्नप्राशन तथा 29 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की गयी।
स्वास्थ जागरुकता के साथ ही चाइल्ड लाइन गतिविधियों की जानकारी दी गयी।

दबंग दुनिया
ईमामी सीमेंट कर रही अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन

अमृत संदेश — शुक्रवार, 20 दिसंबर 2019 | 6
ईमामी सीमेंट व महिला बाल विकास ने किया रिसदा में सुपोषण कार्यक्रम

नव प्रदेश — शनिवार 21 दिसम्बर 2019
ईमामी सीमेंट तथा महिला बाल विकास द्वारा रिसदा में सुपोषण कार्यक्रम संपन्न

बलौदाबाजार। इमामी सीमेंट लिमिटेड के यूनिट हेड अनंत कुमार महोबे तथा टेक्निकल हेड दिलीप कुमार शर्मा के सतत् मार्गदर्शन में शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग स्वास्थ्य विभाग तथा ईमामी सीमेंट के संयुक्त तत्वाधान में आज ग्राम रिसदा में सुपोषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रुप से ईमामी सीमेंट की ओर से लाईजन एवं सीएसआर से धनंजय सिंह सिनियर मैनेजर सीएसआर चन्द्रशेखर उपाध्याय महिला एवं बाल विकास विभाग से परियोजना अधिकारी श्रीमती मुन्नी पंत रिसदा सेक्टर सुपरवाईजर श्रीमती निर्मला वर्मा चाईल्ड लाईन की ओर से समन्वयक रेखा शर्मा काउंसलर गीता वर्मा, गायत्री शक्ति पीठ से पुष्पा वर्मा, पिंकी यादव ग्राम पंचायत रिसदा से महिला पंच श्रीमती रेखा वर्मा, श्रीमती भगवती जायसवाल, के साथ ही ग्राम रिसदा की आंगनवाडी कार्यकर्ता चारुलता, दिनेश्वरी, शारदा, भ्रनेश्वरी, हेमकुमारी, कुकुर्दी आंगनवाडी कार्यकर्ता सामवती, रेवती, पूर्णिमा, ढनढनी आंगनवाडी कार्यकर्ता सीमा बांधेकर ईश्वरी मानिकपुरीए सिलाई एवं ब्यूटिशियन प्रशिक्षण केन्द्र की प्रशिक्षिका एवं प्रशिक्षार्थी, गर्भवती एवं शिशुवती महिलाए और वरदान स्व सहायता समूह की महिलाएं, बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर — रायपुर, शुक्रवार 30 अगस्त, 2019 | 18
जिले में चाइल्ड लाइन 1098 का शुभारंभ, बच्चों के कानूनी अधिकार का प्रशिक्षण दिया गया

बलौदाबाजार| जिला प्रशासन एवं गृहिणी संस्था के संयुक्त तत्वाधान में जिले में चाइल्ड लाइन 1098 की शुरुआत की गई है। इसका शुभारंभ कलेक्टर कार्तिकेय गोयल, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी विपिन जैन, जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रकाश दास, चाइल्ड लाइन की परियोजना संचालक देवस्वाति चक्रवर्ती एवं गृहिणी संस्था अध्यक्ष रूपा श्रीवास्तव की उपस्थिति में हुआ।

शुभारंभ पर कलेक्टर ने चाइल्ड लाइन की महत्ता को बताते हुए सभी समन्वित विभाग के साथ कार्य करने एवं बच्चों के अधिकार विशेषकर बालिकाओं के प्रति संवेदनशील होकर कार्य करने की सलाह देते हुए संस्था के कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया।

चाइल्ड लाइन परियोजना संचालक चक्रवर्ती ने सभी स्टाफ को चाइल्ड लाइन के उद्देश्य, लक्ष्य एवं कार्य करने की योजना बच्चों के कानूनी अधिनियम अधिकार आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी जैन ने चाइल्ड लाइन परियोजना में पदस्थ कार्यकर्ता को जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015, पॉक्सो अधिनियम के तहत बच्चों के अधिकार एवं उनपर हो रहे अत्याचार पर विस्तृत चर्चा कर सतत गतिशील होकर कार्य करने की प्रेरणा दी। वर्तमान में चाइल्ड लाइन के कार्यालय की स्थापना पुराने कलेक्टर भवन में की गई एवं कार्यकर्ताओं द्वारा जिले में ग्राम स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम कर जानकारी दी जा रही है। उक्त जानकारी संस्था अध्यक्ष रूपा श्रीवास्तव ने दी।

हरिभूमि — मध्यांचल भूमि — रायपुर, शुक्रवार 30 अगस्त 2019 | 14
कार्यक्रम : कलेक्टर की उपस्थिति में शुरू हुई चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 सेवा
बच्चों के विशेषाधिकार का रखें ध्यान

दैनिक भास्कर — रायपुर, शुक्रवार 15 नवंबर, 2019 | 16
चाइल्ड लाइन ने स्काउट-गाइड के छात्रों को पॉस्को एक्ट किशोर अधिनियम और यातायात नियमों की जानकारी दी

बलौदाबाजार| जिले में स्थापित चाइल्ड लाइन ने गुरुवार को चक्रपाणि स्कूल में आयोजित स्काउड-गाइड के प्रतिभागियों को दोस्ती कार्यक्रम के तहत विभिन्न जानकारियां देते हुए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई। इसके बाद विजेता प्रतियोगियों को इनाम भी दिए। इसके साथ ही बच्चों को पॉस्को एक्ट, किशोर अधिनियम, यातायात नियमों की भी जानकारी दी गई। इस दौरान चाइल्ड लाइन प्रभारी रेखा शर्मा, गीता वर्मा, सुरेंद्र वर्मा, गिलिश चतुर्वेदी, जितेंद्र भारती, मीरा साहू, सोमेंद्र साहू, विक्रम सिंह, स्काउड-गाइड प्रशिक्षक, चाइल्ड लाइन से क्षेत्रीय कार्यकर्ता सहित 800 स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम की जानकारी गृहिणी संस्था की अध्यक्ष रूपा श्रीवास्तव ने दी।

हरिभूमि — मध्यांचल भूमि — रायपुर, मंगलवार 19 नवंबर 2019 | 14
haribhoomi.com
बच्चों को दी गई पाक्सो एक्ट, बाल विवाह रोकथाम, बाल श्रम कानून की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बलौदाबाजार

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पण्डित जवाहर लाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के उपलक्ष्य में 14 से 20 नवम्बर तक चाइल्ड लाइन 1098 की ओर से दोस्ती सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। छोटे बच्चों के सुरक्षा के लिये समाज में जागरुकता लाना इसका मुख्य उद्देश्य है। सप्ताह के पांचवें दिन अंतर्गत सोमवार यहां पुराना कलेक्टोरेट के पास हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिसमें बलौदाबाजार विधायक प्रमोद शर्मा, जिला पुलिस अधिक्षक नीतू कमल, न्यायाधीश हिरेन्द्र टेकाम, अपर कलेक्टर जोगेंद्र नायक सहित सैकड़ो लोगो ने हस्ताक्षर अभियान में भाग लेकर अभियान का समर्थन किया। सप्ताह के दौरान समाजसेवी संस्था गृहिणी द्वारा विविध प्रकार के आयोजन किये जा रहे हैं। संस्था की समन्वयक रेखा शर्मा ने बताया कि जिला मुख्यालय के चक्रपाणि स्कूल, डमरू एवं लटुवा के स्कूली बच्चों को पाक्सो एक्ट, बाल विवाह रोकथाम, बाल श्रम कानुन के बारे में कोमल फिल्म के माध्यम से बताया जा रहा है। साथ ही पेंटिंग, रंगोली, कुर्सी दौड़ का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम को सफल बनाने में चाइल्ड लाइन केंद्र के समन्वयक रेखा शर्मा, काउंसलर गीता वर्मा एवं टीम के अन्य साथी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की जानकारी गृहिणी स्वयं सेवी संस्था

■ चाइल्ड लाइन 1098 की ओर से दोस्ती सप्ताह का किया गया आयोजन